ब्रिक्स पर ट्रंप का टैरिफ हमला

अमेरिका 9 जुलाई तक सभी देशों को भेजेगा टैरिफ नोटिस

भारत और अमेरिका के बीच मिनी व्यापार समझौता जल्द

वाशिंगटन, 7 जुलाई. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को घोषणा की कि अमेरिका जल्द ही कई व्यापार समझौतों को अंतिम रूप देगा. साथ ही, 9 जुलाई तक अन्य देशों को बढ़ी हुई टैरिफ दरों की सूचना दी जाएगी, जो 1 अगस्त से प्रभावी होंगी. ट्रंप ने ब्रिक्स समूह के विकासशील देशों की अमेरिका-विरोधी नीतियों से जुड़ने वाले देशों पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने की एक नई नीति भी पेश की है, जिसमें कोई अपवाद नहीं होगा. यह कदम ट्रंप द्वारा छेड़े गए वैश्विक व्यापार युद्ध का हिस्सा है.

ब्रिक्स नेताओं ने रविवार को गाजा और ईरान पर हमलों की निंदा करते हुए वैश्विक संस्थाओं में सुधार का आह्वान किया और चेतावनी दी कि टैरिफ में वृद्धि वैश्विक व्यापार के लिए खतरा है. हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि ट्रंप की यह धमकी भारत, इंडोनेशिया और अन्य ब्रिक्स देशों के साथ चल रही व्यापार वार्ताओं को प्रभावित करेगी या नहीं. अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने बताया कि अगले कुछ दिनों में कई बड़े व्यापार समझौतों की घोषणा होगी, और यूरोपीय संघ के साथ बातचीत में अच्छी प्रगति हुई है. उन्होंने यह भी कहा कि ट्रंप 100 छोटे देशों को भी उच्च टैरिफ दरों की सूचना देंगे, यदि वे व्यापार को आगे नहीं बढ़ाते हैं. व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने संकेत दिया कि ईमानदारी से बातचीत में लगे देशों के लिए रियायतें मिल सकती हैं.

> ट्रंप प्रशासन व्यापार घाटे के 95 प्रतिशत हिस्से वाले 18 महत्वपूर्ण व्यापारिक भागीदारों पर केंद्रित है.भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका अगले 24 से 48 घंटों में एक मिनी व्यापार समझौते पर अंतिम निर्णय ले सकते हैं, जिसमें अमेरिकी भेजे गए भारतीय सामानों पर औसत 10त्न टैरिफ होगा. ब्रिटेन और वियतनाम के साथ हुए फ्रेमवर्क समझौते अन्य देशों के लिए दिशानिर्देश प्रदान करते हैं, और ट्रंप का दबाव देशों को उत्पादन अमेरिका में स्थानांतरित करने के लिए प्रेरित कर रहा है.

जेन स्ट्रीट पर सेबी की सख्ती

मुंबई, 07 जुलाई. भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने सोमवार को कहा कि बाजार नियामक को विदेशी हेज कोष जेन स्ट्रीट की तरफ से की गई हेराफेरी के जैसे दूसरे जोखिम नहीं दिख रहे हैं.सेबी ने पिछले सप्ताह जेन स्ट्रीट पर हेराफेरी के जरिये वायदा एवं विकल्प सौदों से अर्जित 4,800 करोड़ रुपये से अधिक राशि को जब्त करने और उसकी बाजार पहुंच रोकने का आदेश जारी किया था. पांडेय ने जेन स्ट्रीट की ही तरह अन्य कोषों या निवेशकों के हेराफेरी में लिप्त होने की आशंका के बारे में पूछे जाने पर कहा, ''मुझे नहीं लगता कि बहुत अधिक दूसरे जोखिम हैं.सेबी प्रमुख ने इस मामले में संवाददाताओं से कहा कि बाजार नियामक अपनी निगरानी प्रणाली को उन्नत करने पर विचार कर रहा

जनवरी-जून में जीसीसी में 30 .8% उछाल : रिपोर्ट

बीएफएसआई और मैन्युफैक्चरिंग ने मिलकर की 55 .6प्रतिशत हिस्सेदारी

नई दिल्ली, 7 जुलाई. भारत में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स ने जनवरी-जून अवधि में सालाना आधार पर 30.8 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज करते हुए कुल 13.85 मिलियन वर्ग फुट तक पहुंच बनाई है. एक रिपोर्ट के अनुसार, जीसीसी भारत के ऑफिस मार्केट में 2025 की पहली छमाही में सबसे आगे रहे, और पिछले किसी भी कैलेंडर वर्ष की तुलना में इस अवधि में अधिक स्थान लीज पर लिए.

यह पिछले साल की गति का ही अनुसरण है, जब जीसीसी सबसे बड़ा ऑक्यूपायर ग्रुप था. बीएफएसआई और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में जीसीसी सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले रहे, जिनकी पहली छमाही में लीजिंग वॉल्यूम में संचयी 55.6 प्रतिशत हिस्सेदारी रही. बेंगलुरु जीसीसी के लिए गेटवे शहर बना हुआ है, जिसने 2025 की पहली छमाही में कुल मांग का 41 प्रतिशत से अधिक हिस्सा हासिल किया. समग्र आधार पर, टेक सेक्टर ने पहली छमाही में 30.3 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ कुल लीजिंग वॉल्यूम में बढ़त हासिल की. इसके बाद फ्लेक्स, बीएफएसआई और मैन्युफैक्चरिंग का स्थान रहा. दूसरी तिमाही में भी टेक ने 30.8 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ अग्रणी स्थान बनाए रखा. इस तिमाही में कंसल्टिंग फर्म प्रमुख मूवर्स रहीं.

> **वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद मजबूत प्रदर्शन**
>
> कुल मिलाकर, भारत का ऑफिस मार्केट वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद मजबूत गति का प्रदर्शन करना जारी रखता है, जिसमें ग्रॉस लीजिंग संख्या 2025 की पहली छमाही में 39.45 मिलियन वर्ग फीट के नए उच्च स्तर पर पहुंच गई, जो सालाना आधार पर 17.6 प्रतिशत अधिक है.

जियो ब्लैकरॉक एनएफओ ने रचा इतिहास

लॉन्च किए गए तीन फंड- ओवरनाइट, लिक्विड, मनी मार्केट

जियो फाइनेंशियल और ब्लैकरॉक का संयुक्त उद्यम

मुंबई, 07 जुलाई (वार्ता) जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने अपने पहले ही न्यू फंड ऑफर में निवेशकों से कुल 17,800 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश हासिल किया है. यह जानकारी कंपनी ने सोमवार को एक विज्ञप्ति में दी.

कंपनी ने तीन नकद एवं ऋण म्यूचुअल फंड लॉन्च किए थे. इनमें जियो ब्लैकरॉक ओवरनाइट फंड, जियो ब्लैकरॉक लिक्विड फंड और जियो ब्लैकरॉक मनी मार्केट फंड शामिल थे. विज्ञप्ति के अनुसार 90 से अधिक संस्थागत निवेशकों और 67,000 से अधिक व्यक्तियों ने ऑफर अवधि के दौरान इन फंडों में निवेश किया. जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट कंपनी जियो फाइनेंशियल सर्विसेज़ लिमिटेड और ब्लैकरॉक इंक का संयुक्त उद्यम है. 30 जून को शुरू हुआ यह न्यू फंड ऑफर 02 जुलाई को बंद हुआ. यह न्यू फंड ऑफर भारत के नकद/ऋण फंड सेगमेंट में सबसे बड़ा था, जिसने जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट को देश के 47 फंड हाउसों में शीर्ष 15 एसेट मैनेजमेंट कंपनियों में शामिल कर दिया.

ओडिशा में जिंदल का नया निवेश

नयी दिल्ली,07 जुलाई.जिंदल (इंडिया) लि. ने सोमवार को कहा कि कंपनी को ओडिशा सरकार से राज्य में अपनी प्रस्तावित नई परियोजना के लिए मंजूरी पत्र मिला है. इस परियोजना में 3,600 करोड़ रुपये का निवेश अनुमानित है.कंपनी ने बयान में कहा कि उसकी योजना 2030 तक ओडिशा में तीन चरणों में 15,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की है.

बयान में कहा गया है कि जिंदल (इंडिया) लि. को ओडिशा में 3,600 करोड़ रुपये के इस्पात कारखाने के लिए उच्च स्तरीय मंजूरी प्राधिकरण (एचएलसीए) से मंजूरी मिल गई है.कंपनी इस संयंत्र के जरिये विशेष 'कोटेड' इस्पात उत्पादों के विनिर्माण पर ध्यान केंद्रित करेगी. यह चरण 2027 तक चालू हो

उपभोक्ता स्टेपल्स की ग्रोथ में सुस्ती

कमजोर मांग और ऊंची लागत से दबाव, एचएसबीसी ने जताई चिंता

मैरिको और ब्रिटानिया को अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

नई दिल्ली, 7 जुलाई. एचएसबीसी की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, उपभोक्ता स्टेपल्स बनाने वाली कंपनियों को वित्तीय वर्ष 2026 की पहली तिमाही में मध्यम वृद्धि दर्ज करने की संभावना है, क्योंकि मार्जिन पर दबाव बना रहेगा. कमजोर मांग और तीव्र प्रतिस्पर्धा राजस्व लाभ वृद्धि को सीमित कर रही है.

एचएसबीसी ने अपनी Q1FY26e पूर्वावलोकन रिपोर्ट में उपभोक्ता स्टेपल्स कंपनियों के लिए 5त्न राजस्व और केवल 2% EBITDA वृद्धि का अनुमान लगाया है. यह सुस्त प्रदर्शन कमजोर मांग रिकवरी और कच्चे माल की ऊंची लागत के कारण है. हालांकि मांग में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है.

> दूसरी ओर, उपभोक्ता विवेकाधीन (डिस्क्रेशनरी) क्षेत्र थोड़ा बेहतर प्रदर्शन कर रहा है. इस सेगमेंट में मांग का माहौल थोड़ा मजबूत है. विशेष रूप से, आभूषण उद्योग उच्च सोने की कीमतों, बाजार हिस्सेदारी में लाभ और नेटवर्क विस्तार के कारण स्वस्थ गति से बढ़ रहा है .इन घटनाक्रमों के बावजूद, एचएसबीसी ने अपनी कमाई के अनुमानों या लक्ष्य मूल्यों में कोई बदलाव नहीं किया है, यह देखते हुए कि कंपनियों को ऐसी वृद्धि का पीछा करने की आवश्यकता है जो वर्तमान मूल्यांकन को उचित ठहरा सके.

ऑटो सेक्टर में रफ्तार तेज

जून में ऑटो बिक्री में 4 .84 प्रतिशत बढ़त

नई दिल्ली, 7 जुलाई. फेडरेशन ऑफ ऑटोमोटिव डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अनुसार, जून में भारत की कुल ऑटो खुदरा बिक्री सालाना 4.84त्न बढ़कर 20.03 लाख यूनिट हो गई, जिसका मुख्य कारण त्योहारों और शादियों की मांग रही.

दोपहिया (4.73 प्रतिशत), तिपहिया (6.68 प्रतिशत), पैसेंजर व्हीकल (2.45 प्रतिशत), कमर्शियल व्हीकल (6.6 प्रतिशत), ट्रैक्टर (8.68 प्रतिशत) और कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट्स (54.95 प्रतिशत) सभी सेगमेंट में वृद्धि देखी गई. हालांकि, वित्तीय बाधाएं, वेरिएंट की कमी, शुरुआती मानसून और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बढ़ती पहुंच ने खरीदारी के पैटर्न को
प्रभावित किया.

दोपहिया वाहन- जून में मिश्रित बाजार संकेतों के बावजूद प्रदर्शन मजबूत रहा.

पैसेंजर व्हीकल- बिक्री में मासिक गिरावट (1.49प्रतिशत) के बावजूद सालाना 2.45प्रतिशत की वृद्धि हुई. भारी बारिश, नकदी की कमी और अनिवार्य बिलिंग प्रक्रियाओं ने इसे प्रभावित किया, जिससे इन्वेंट्री लगभग 55 दिनों की हो गई.

कमर्शियल व्हीकल (सीवी)-खुदरा बिक्री में मासिक 2.97 प्रतिशत की गिरावट के बावजूद सालाना 6.6त्न की मजबूत वृद्धि दर्ज हुई. मानसून की सुस्ती, सीमित नकदी, नए कराधान और एसी केबिन से बढ़ी स्वामित्व लागत ने इस सेगमेंट को प्रभावित किया.

जुलाई के लिए फाडा का दृष्टिकोण मिश्रित है; कृषि और स्कूल खुलने से मांग बढ़ सकती है, लेकिन मौसमी प्रतिकूलता, उच्च कीमतें और नकदी की कमी इसे धीमा कर सकती है. डीलरों का मानना है कि वृद्धि की तुलना में मंदी या स्थिरता की संभावना अधिक है. फाडा ने ग्रामीण मांग और सरकारी पूंजीगत व्यय का लाभ उठाते हुए सतर्क आशावाद

चेन्नई पहुँचा जापानी जहाज इत्सुकुशिमा

भारत-जापान समुद्री साझेदारी को मजबूती

पारंपरिक शैली में हुआ भव्य स्वागत

चेन्नई, 7 जुलाई.भारत और जापान के बीच समुद्री साझेदारी को नया आयाम देने के लिए जापान कोस्ट गार्ड का जहाज 'इत्सुकुशिमा' अपने 'ग्लोबल ओशन वॉयज ट्रेनिंग' के तहत सोमवार को चेन्नई बंदरगाह पहुंचा.

कैप्टन नाओको मिज़ोगुची की कमान में आए इस जहाज का भारतीय कोस्ट गार्ड ने पारंपरिक शैली में भव्य स्वागत किया.

यह दौरा दोनों देशों के बीच समुद्री सहयोग, इंडो-पैसिफिक रणनीति और आपसी तालमेल को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है.'इत्सुकुशिमा' का दल एक सप्ताह तक चेन्नई में रुकेगा, जहां पेशेवर और सांस्कृतिक गतिविधियां होंगी.

भारत की सीमेंट मांग बढ़ने का अनुमान : क्रिसिल

नई दिल्ली, 7 जुलाई. क्रिसिल की रिपोर्ट के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में भारत में सीमेंट की मांग 6.5 से 7.5 प्रतिशत तक बढ़ने की संभावना है. उद्योग की परिचालन लाभप्रदता भी लगभग 100 प्रति टन बढ़कर दशकीय औसत से ऊपर पहुंच जाएगी, जिससे सीमेंट निर्माताओं की क्रेडिट प्रोफाइल स्थिर रहेगी.

यह विश्लेषण 17 सीमेंट कंपनियों के आंकड़ों पर आधारित है, जो घरेलू बिक्री का 85 प्रतिशत से अधिक है.पिछले वित्त वर्ष में, चुनावों और अनियमित मानसून के कारण पहली छमाही में मांग धीमी रही (2-3 प्रतिशत वृद्धि), लेकिन दूसरी छमाही में सुधार से वार्षिक वृद्धि लगभग 5 प्रतिशत रही.

अमेरिकी शुल्क की समयसीमा से बढ़ी चिंता

मुंबई,07 जुलाई.उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में दोनों मानक सूचकांकज्बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी सोमवार को लगभग स्थिर रुख के साथ बंद हुए. एशिया के अन्य बाजारों में कमजोर रुख तथा विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी के बीच शुल्क लागू होने की नौ जुलाई की समयसीमा करीब आने के साथ निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया. तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 9.61 अंक यानी 0.01 प्रतिशत की नाममात्र तेजी के साथ 83,442.50 अंक पर बंद हुआ.

समाचार विशेष

धामी ने तोड़ा उत्तराखंड की राजनीति का मिथक

देहरादून. उत्तराखंड की राजनीति में स्थायित्व लाने वाले पहले बीजेपी मुख्यमंत्री बने पुष्कर सिंह धामी धामी पहले ऐसे बीजेपी मुख्यमंत्री है जो उत्तराखंड में सब से लंबे वक्त तक सीएम बनने का रिकॉर्ड कायम कर चुके है. बीजेपी के कई सीएम अपना कार्यकाल पूरा नहीं पाए लेकिन सीएम धामी एक मात्र ऐसे मुख्यमंत्री है जिन्होंने इतना लंबा समय पूरा किया है. सीएम धामी ने जुलाई 2021 में पहली बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी.

सीएम पुष्कर सिंह धामी से पहले केवल कांग्रेस नेता एनडी तिवारी ही ऐसे मुख्यमंत्री रहे जो उत्तराखंड में पांच साल का कार्यकाल पूरा कर पाए थे. बता दें कि उत्तराखंड की राजनीति लंबे समय तक अस्थिर नेतृत्व की गवाह रही है, जहां मुख्यमंत्रियों का कार्यकाल अक्सर अधूरा ही रहा चाहे कांग्रेस हो या बीजेपी कांग्रेस के एकमात्र सीएम एनडी तिवारी के अलावा किसी भी मुख्यमंत्री को अपना कार्यकाल पूरा करने का सौभाग्य नहीं मिला. इस मिथ को तोड़ते हुए पुष्कर सिंह धामी राज्य में बीजेपी के सबसे लंबे कार्यकाल वाले मुख्यमंत्री बन गए हैं.

विधानसभा चुनाव में पुष्कर सिंह धामी बनेंगे बीजेपी का चेहरा?- साल 2021 में जब पुष्कर सिंह धामी ने कमान संभाली थी, तब राज्य में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर संशय और अस्थिरता का माहौल था. तीरथ सिंह रावत के इस्तीफे के बाद अचानक सीएम बनाए गए युवा नेता धामी पर खुद पार्टी के भीतर भी सवाल उठे, लेकिन बीते चार सालों में सीएम धामी ने खुद को जनता और संगठन दोनों के भरोसेमंद नेता के रूप में स्थापित कर लिया है. अब 2027 विधान सभा चुनाव भी धामी के नेतृत्व में होगा ये बात पार्टी के कई बड़े नेता कह रहे है.

सीएम धामी ने लिए कई ऐतिहासिक फैसले

धामी सरकार ने कई साहसिक फैसले लिए, जो प्रदेश ही नहीं देश में चर्चा का विषय बने रहे जैसे समान नागरिक संहिता ष्टष्ट को लागू करना . इसके अलावा महिलाओं के लिए तीन मुफ्त गैस सिलेंडर, सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत आरक्षण, सहकारी समितियों में 33 प्रतिशत आरक्षण, और लखपति दीदी जैसी योजनाओं ने महिलाओं को धामी के करीब किया . पूर्व सैनिकों और शहीद परिवारों के लिए सरकार ने अनुग्रह राशि 10 लाख से बढ़ाकर 50 लाख कर दी, वहीं शासकीय नौकरी में आवेदन की समय सीमा में भी लचीलापन दिया गया .

पत्नी ने पति का कराया डिमोशन

अपना दल (एस) के कार्यकारी अध्यक्ष को बनाया उपाध्यक्ष

लखनऊ. उत्तर प्रदेश की सियासत में अचानक से हलचल मच गई है. केंद्र सरकार में मंत्री और अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल ने पार्टी की नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी घोषित करते हुए एक चौंकाने वाला निर्णय लिया है.

इस निर्णय में यूपी सरकार के कैबिनेट मंत्री और अब तक पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष रहे आशीष पटेल का कद घटा दिया गया है. उन्हें पार्टी के उपाध्यक्ष पद पर भेज दिया गया है, यानी पार्टी में नंबर दो की जगह अब नंबर तीन की हैसियत में आ गए हैं. वहीं, कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में ममता बदल तिवारी को नई जिम्मेदारी दी गई है. यह बदलाव ऐसे समय पर आया है जब पार्टी में अंदरूनी असंतोष और गुटबाजी की खबरें तेज थीं. महज दो दिन पहले ही अपना दल (एस) के कई वरिष्ठ पदाधिकारियों ने खुलेआम नेतृत्व पर सवाल उठाए थे और पार्टी की निर्णय प्रक्रिया को लेकर असंतोष जताया था. इन बगावती सुरों के बीच यह फेरबदल अहम माना जा रहा है. बता दें कि योगी सरकार में मंत्री आशीष पटेल भाजपा की केंद्र सरकार में मंत्री अनुप्रिया पटेल के पति हैं. इस कदम को 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी और संगठन को मजबूत करने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है. आशीष पटेल ने हाल ही में बीजेपी के साथ गठबंधन में तनाव की ओर इशारा किया था. उन्होंने बिना नाम लिए कहा था कि कुछ लोग 1700 करोड़ की साजिश रच रहे हैं और उनके खिलाफ झूठे मुकदमे दर्ज करवाने की कोशिश हो रही है.

> **बगावत को रोकने का एक कदम**
>
> अपना दल के बागी गुट ने दो दिन पहले लखनऊ के प्रेस क्लब में प्रेस वार्ता करके आशीष और अनुप्रिया पर गंभीर आरोप लगाए थे . उन्होंने यह भी कहा था कि पार्टी के 11 विधायक उनके संपर्क में हैं और बहुत जल्द ही बड़ी तोड़फोड़ हो जाएगी . इसके बाद अपना दल सोनेलाल ने अपने संस्थापक सोनेलाल की जयंती मनाई थी . जिसमें अनुप्रिया पटेल ने दावा किया था कि सोनेलाल का कारवां कभी नहीं रुकेगा . अनुप्रिया के बयान के बाद यह बदलाव बगावत को रोकने का एक कदम बताया जा रहा है .

आप ने चुनी 'इंडिया' से अलग राह

अहमदाबाद. आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल बिहार के चुनावी दंगल में कूदने को तैयार बैठे हैं. गुजरात के विसावदार विधानसभा और पंजाब की लुधियाना वेस्ट विधानसभा सीट पर उपचुनाव जीतने के बाद एक फिर केजरीवाल पुराने फॉर्म में नजर आ रहे हैं.

अहमदाबाद में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने भाजपा और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला. साथ ही कहा कि अब आप किसी भी गठबंधन में नहीं है. आगामी विधानसभा चुनावों में पार्टी अकेले चुनाव लड़ेगी. आप संयोजक ने कहा कि बिहार में हमारी पार्टी चुनाव लड़ेगी और अकेले लड़ेगी. हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि बिहार में आम आदमी पार्टी कितनी सीटों पर चुनाव लड़ने का प्लान बना रही है. इसके आगे दिल्ली के पूर्व सीएम ने कहा इंडिया गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव तक था. अब हमारा कोई गठबंधन नहीं है. केजरीवाल ने कहा कि विसावदर उपचुनाव में हमने कांग्रेस से अलग लड़कर तीन गुना ज्यादा वोटों से जीत दर्ज की है.

विशेष | सीट बदलने की रणनीति पर विचार

भाजपा के डेढ़ दर्जन बुजुर्ग विधायकों की कटेगी टिकट!

पटना. विधानसभा चुनाव तैयारियों को लेकर राजग में भाजपा अभी से एक.एक सीट के समीकरण को साधने में जुट गई है. इस क्रम में पार्टी कई स्तर पर काम कर रही है. भाजपा की ओर से आंतरिक सर्वे के साथ ही निजी एजेंसियों एवं संघ की रिपोर्ट को आधार बनाकर डेढ दर्जन बुजुर्ग विधायकों की टिकट काटने पर मंथन जारी है. सूचना पर संगठन में पकड़ रखने वाले विधायकों की बेचैनी बढ़ने लगी है.

वहीं, भनक मिलते ही संबंधित सीटों पर टिकट के भावी दावेदारों ने भी अपनी.अपनी गोटियां सेट करने में ताकत झोंक दी है. वर्तमान में स्थिति यह है कि नेतृत्व के समक्ष कोई समाज का सीट होने का दावाकर अपनी दावेदारी जता रहा है तो किसी ने पार्टी के लिए पिछले दो.तीन दशक संगठन गढ़ने में समर्पित का ब्यौरा प्रस्तुत कर प्रत्याशी बनाए जाने का दबाव बढ़ा दिया है. इसके साथ ही भाजपा के लिए लंबे समय तक किए त्याग एवं समर्पण को आधार बनाकर क्षेत्र में भी ताकत झोंक दी है. पार्टी के निशाने पर तत्काल 70 से 75 वर्ष उम्र वाले विधायक हैं. इसमें पांच से आठ बार विधानसभा पहुंचने वाले दिग्गजों का नाम भी सम्मिलित है.

इधर कई विधायकों ने अबकी बार संकेत भांपकर स्वयं का टिकट कटता हुआ देख स्वजन के लिए अभी दावेदारी शुरू कर दी है. अहम यह है कि 2020 यानि पिछले विधानसभा चुनाव में हार का सामना करने वाले पूर्व बुजुर्ग विधायकों (70 पार वाले) ने भी तैयारी में ताकत झोंक दी है. हालांकि ऐसे विधायकों का दावा है कि पार्टी नेतृत्व की ओर से हरी झंडी मिलने के उपरांत ही वह तैयारी कर रहे हैं. अगर किसी कारणवश टिकट से वंचित होते हैं तो वह निर्दलीय लड़ने से भी संकोच नहीं करेंगे. ऐसे पूर्व विधायकों, पूर्व मंत्री रहे कई दिग्गज के स्वजन के नाम भी

> **कर सकती है सीटों की अदला .बदली**
>
> भाजपा कई विधायकों की सीट बदलने पर भी विचार कर रही है . सूचना है कि ऐसे विधायकों के विरुद्ध सत्ता विरोधी लहर अहम कारण है . इसमें संभव है कि गठबंधन के सहयोगियों के साथ भाजपा सीटों की अदला .बदली कर सकती है . इसके साथ ही कुछ विधायकों बैठा भी सकती है . ऐसे कई बिंदुओं पर राजग गठबंधन के अंदर मंथन जारी है . पहले चरण में टिकट से वंचित होने वाले में अगड़े समाज के छह एवं पिछड़े एवं अति पिछड़े समाज के छह विधायकों के नाम सम्मिलित हैं . इसके अतिरिक्त अनुसूचित समाज के दो विधायकों का टिकट कटना सुनिश्चित है .